R.N.I. No. RAJHIN/2020/79075

कागज़ की कश्ती

पाक्षिक समाचार पत्र

मो. 9829250181
ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com
सम्पादक : शिवकुमार शर्मा

वर्ष - 6 | अंक - 24 | सोमवार, 22 जून 2026 | कुल पृष्ठ - 4 | (पाक्षिक) | मूल्य रु. 360/- (वार्षिक)

प्रधानमंत्री मोदी ने जारी की किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त

हुगली (पश्चिम बंगाल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18,880 करोड़ रुपए की धनराशि 9.44 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में भेजकर देश के अन्नदाताओं को एक और बड़ी राहत प्रदान की। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त के देशव्यापी कार्यक्रम के तहत यहां के तारकेश्वर में आयोजित किया गया था। मोदी ने इसी कार्यक्रम से उन्होंने पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, एग्रीस्टैक, राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना जैसी कई अहम कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन की शुरुआत की, जिससे किसानों की आय सुरक्षा, प्राकृतिक खेती, डिजिटल एग्रीकल्चर और समग्र ग्रामीण विकास को नई गति मिलने जा रही है।

इस किस्त से अकेले पश्चिम बंगाल के 45 लाख से अधिक किसानों को 900 करोड़ से ज्यादा की सहायता मिलेगी, जबकि पूरे देश में 2019 से अब तक पीएम किसान के तहत 4.46 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है।

प्रधानमंत्री ने राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के क्रियान्वयन की शुरुआत भी की। उन्होंने 2026-27 में करीब 14 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 50 लाख किसानों को 28,140 करोड़ रु. से अधिक की फसल बीमा सुरक्षा देने का लक्ष्य तय किया। उन्होंने एग्रीस्टैक के माध्यम से डिजिटल एग्रीकल्चर प्लेटफॉर्म, राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन के तहत 17,300 हेक्टेयर में 346 प्राकृतिक खेती के क्लस्टर और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के जरिए पुरुलिया, दार्जिलिंग, अलीपुरद्वार और झारग्राम जिलों में सिंचाई, फसल विविधीकरण, फसल के समुचित भंडारण के ढांचे और संस्थागत कर्ज तक पहुंच बढ़ाने वाली योजनाओं का भी शुभारंभ किया।

वरिष्ठ शिक्षाविद् हनुमान सिंह राठौड़ बने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष

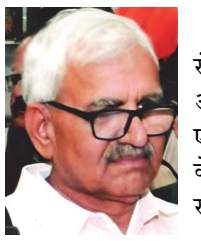

जयपुर। राज्य सरकार ने वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं संघ पृष्ठभूमि से जुड़े हनुमान सिंह राठौड़ को राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर का अध्यक्ष नियुक्त किया है। राठौड़ लंबे समय से शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। वे संघ में क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं।

वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली। भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर अब तक के सर्वाधिक 1.78 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि यह उपलब्धि पिछले वित्तीय वर्ष के 1.54 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन की तुलना में 15.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।

मात्र 30 हजार में लीक पेपर देने का दावा, छात्रा की सजगता से खुला मामला

अजमेर। नीट के पेपर लीक की अफवाहों के बीच अब छात्र-छात्राओं को डराकर पैसे ऐंठने वाले शातिर ठग सक्रिय हो गए हैं। अजमेर में ऐसे ही एक डिजिटल ठग ने नीट परीक्षा के नाम पर एक छात्रा को जाल में फंसाकर हजारों रुपए हड़पने की कोशिश की। हालांकि, छात्रा की सूझबूझ और छात्रनेताओं की सजगता के चलते ठग की साजिश नाकाम हो गई। मामले की गंभीरता और पेपर लीक जैसे संवेदनशील विषय को देखते हुए अजमेर पुलिस के साथ-साथ राजस्थान पुलिस की स्पेशल विंग एटीएस और एसओजी भी इस मोबाइल नंबर और ठग के सुराग तलाशने में जुट गई हैं। पूरे मामले का खुलासा शनिवार शाम को हुआ, जब डीएवी कॉलेज के छात्रसंघ अध्यक्ष कृष्णा सिंह ठाकुर, एबीवीपी छात्रनेता मोहित गहलोत और पीयूष शर्मा पीड़ित छात्रा की शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। छात्रनेताओं ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सिटी) हिमांशु जांगिड़ को बताया कि कॉलेज की बीएससी प्रथम वर्ष की एक छात्रा के पास दो दिन पहले एक अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने दावा किया कि उसके पास नीट री-एग्जाम का ओरिजिनल पेपर है। यह पूरी तरह गोपनीय तरीके से लीक हो चुका है। उसने छात्रा से पेपर के बदले मात्र 30 हजार रुपए की डिमांड की।

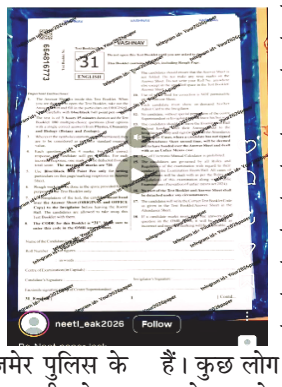

शातिर ठग ने छात्रा पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए कहा कि उसके पास समय बहुत कम है, इसलिए जल्दी फैसला करे। उसने झांसा देते हुए कहा, हम छात्र-छात्राओं की मदद के लिए सिर्फ 30 हजार रुपए ले रहे हैं। कुछ लोग तो हमसे यही पेपर लेकर आगे एक से डेढ़ लाख रुपए में बेच रहे हैं, उनके चक्कर में मत आना। अगर भरोसा नहीं है, तो वीडियो कॉल पर पेपर की झलक देख लो। छात्रा ने घबराने के बजाय इसकी जानकारी छात्रसंघ अध्यक्ष कृष्णा सिंह को दी।

मामले की सच्चाई जानने के लिए छात्रसंघ अध्यक्ष कृष्णा सिंह ठाकुर ने खुद उसी नंबर पर कॉल कर पेपर की मांग की। जब कृष्णा ने पूछा कि 30 हजार वाले पेपर में से मुख्य परीक्षा में कितने सवाल आएंगे, तो ठग ने दावा किया कि पूरा का पूरा पेपर इसी में से आएगा। गारंटी मांगने पर बदमाश ने तुरंत वीडियो कॉल किया और स्क्रीन पर तेजी से पन्ने पलटाकर पेपर की झलक दिखाई, ताकि कोई स्क्रीनशॉट न ले सके। पैसे के लेन-देन के लिए शातिर बदमाश ने पहले फ्लिपकार्ट का रिडीम कोड बनाकर फोन-पे करने को कहा, और जब छात्रनेता ने असमर्थता जताई तो उसने ऑनलाइन स्कैनर भेजकर भुगतान करने का दबाव बनाया। एएसपी हिमांशु जांगिड़ ने मामले को बेहद संवेदनशील मानते हुए तुरंत कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक उषा यादव को पूरी स्थिति से अवगत कराया।

समाचार पत्र की खबरों का स्रोत

समाचार पत्र के संवाददाता, PRO Ajmer, DIPR Jaipur, PIB Jaipur, दूरदर्शन भारत के माध्यम से तथा अन्य स्रोतों से समाचार पत्र की खबरों का प्रकाशन किया जाता है।

सम्पादक

लेबनान पर इजरायली हमलों के बाद ईरान ने होर्मुज फिर बंद किया

तेहरान। लेबनान पर इजरायली हमलों के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट बंद करने की घोषणा की है। ईरान की संयुक्त मिलिट्री कमांड ने इसके पीछे युद्ध खत्म करने वाले समझौते का अमेरिका द्वारा उल्लंघन, दक्षिणी लेबनान से सेना नहीं हटाने और इजरायल की ओर से लगातार युद्धविराम का उल्लंघन करने का कारण बताया है। ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर उल्लंघन जारी रहा, तो और भी कदम उठाए जाएंगे। दूसरी तरफ अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि उन्हें भरोसा है कि तेहरान के साथ वॉशिंगटन के 14-सूत्रीय समझौते में तय किया गया संघर्ष विराम बना रहेगा। अमेरिका को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे पता चले कि होर्मुज समुद्री यातायात के लिए बंद कर दिया गया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि हमने अपने वादों का पालन किया है और अमेरिका की यह जिम्मेदारी है कि वह इजरायल को लेबनान पर हमले रोकने के लिए मजबूर करे।

उधर, अमेरिका और ईरान के समझौते की खबरों के कुछ ही घंटों बाद दक्षिणी लेबनान में इजरायली हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।

अब ईरानी सेना द्वारा दोबारा होर्मुज स्ट्रेट पर प्रतिबंध लगाने से समझौते पर संकट गहरा गया है। इस बीच पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी शनिवार को ईरान पहुंचे हैं। माना जा रहा है कि मोहसिन नकवी ईरान और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत पर नजर रखेंगे।

अमेरिका-ईरान के बीच उच्च स्तरीय वार्ता बहाल करने के उद्देश्य से अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ईरानी अधिकारियों से बातचीत के लिए स्विट्जरलैंड रवाना हो गए हैं। दक्षिणी लेबनान में हालांकि नए इजरायली हमलों ने उस नाजुक संघर्ष विराम के लिए खतरा पैदा कर दिया है, जिसे व्यापक कूटनीतिक प्रक्रिया के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

होमगार्ड साथी के निधन पर परिवार को दी आर्थिक सहायता

मदनगंज-किशनगढ़। किशनगढ़ गृह रक्षा उपकेन्द्र किशनगढ़ के होमगार्ड जवानों ने साथी राकेश सैनी के निधन पर संवेदनशीलता दिखाते हुए परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर मिसाल पेश की। होम गार्ड जवानों ने साथी सदस्य स्व. राकेश सैनी की धर्मपत्नी को 1 लाख, 80 हजार 100 रुपए की सहयोग राशि भेंट की । होम गार्ड जवान सज्जनसिंह राठौड़ ने बताया कि साथी सदस्य राकेश सैनी कैंसर बीमारी से पीड़ित थे।

लंबे समय तक उपचार के बाद उनका 26 मई को निधन हो गया था। साथी के निधन के बाद होमगार्ड जवानों ने परिवार की आर्थिक सहायता का संकल्प लेते हुए आपसी सहयोग से राशि एकत्रित कर परिवार को प्रदान की। जवान राठौड़ ने बताया कि होमगार्ड परिवार में किसी साथी के आकस्मिक निधन पर सहयोग की यह परंपरा लगातार जारी है। इससे पूर्व भी पांच दिवंगत

होमगार्ड सदस्यों के परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। सहयोग राशि सौंपने के दौरान प्रभारी ओमप्रकाश गुर्जर, सज्जनसिंह राठौड़, गणपतलाल, प्रेमनारायण, धीरेन्द्रसिंह, कृष्णगोपाल, राजेश कुमावत, रामगोपाल, राजेन्द्रसिंह, आकिब मोहम्मद, नारायणसिंह, चंदनकुमार, पवनकुमार, सूरजमल, रामकरण मीणा, पन्नालाल, पदमसिंह, नरेन्द्रकुमार, जीवनकुमार, बलदेव गुर्जर, मोहम्मद सलीम, गोपाललाल आदि शामिल थे।

भोजराज युवा गुर्जर महासभा का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त

मदनगंज-किशनगढ़। शिवाजी नगर निवासी बीआरजी ग्रुप के चेयरमैन भोजराज गुर्जर पुत्र खींवराज गुर्जर को अखिल भारतीय युवा भोजराज गुर्जर गुर्जर महासभा का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम पाटिल एवं महामंत्री बच्चूसिंह बैंसला की सहमति पर की गई नियुक्ति र भोजराज को दिनभर सोशल मीडिया के माध्यम के साथ ही बीआरजी ग्रुप के ऑफिस में शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। अखिल गुर्जर युवा महासभा का उद्देश्य गुर्जर समाज की शिक्षा, सामाजिक एकता एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के साथ ही समाज के सभी पहलुओं को साथ लेकर युवाओं को शिक्षा, रोजगार व नेतृत्व के अवसर प्रदान करना और सामाजिक जागरूकता फैलाना है।

नामदेव महाराज की मूर्ति का अनावरण

मदनगंज- किशनगढ़। श्री नामदेव समाज टांक क्षत्रिय दर्जी विकास समिति व शोध संस्थान के तत्वावधान में संत शिरोमणि नामदेव महाराज की मूर्ति अनावरण समारोह आयोजित हुआ। खोडा गणेश रोड पर स्थित नामदेव सर्किल पर पुष्य नक्षत्र में पूजा अर्चना के पश्चात मूर्ति स्थापित की गई। तत्पश्चात काचरिया पीठाधीश्वर डॉ. जयकृष्ण देवाचार्य महाराज ने गाजे बाजे के साथ विधि विधानपूर्वक मूर्ति का अनावरण किया। डॉ. देवाचार्य सहित व समाज बंधुओ ने नामदेव महाराज की मूर्ति की आरती की। महिलाओं ने नामदेव के भजनों पर नृत्य किया। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष रामगोपाल तोलंबिया, मीडिया प्रभारी जानकीलाल टेलर, नरेंद्र सारण, कैलाश बाटू, कैलाश अपूर्वा, सत्यनारायण पंवार, पंकज रूनवाल, श्यामसुंदर बाटू, ओमप्रकाश ऊंटवाल, प्रकाश निर्दोष, कृष टेलर, पंकज रूनवाल, पवन बरणिया, अशोककुमार खत्री, नंदकिशोर लुहारिया, हंसराज बरणिया आदि मौजूद थे।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मदनगंज- किशनगढ़। किशनगढ़ एयरपोर्ट पर एयरपोर्ट ऑथोरिटी ने पौधरोपण कर पर्यावरण का संरक्षण का संदेश दिया। एयरपोर्ट निदेशक मीना ने कहा कि पौधरोपण कर ही विकास के साथ हरित बेल्ट की नई गाथा लिख सकते है। विकास के नाम पर कटे पेड़ पौधों के स्थान पर अधिकाधिक पौधरोपण कर उनकी नियमित सार-संभाल जरूरी है। इस दौरान एयरपोर्ट अथारिटी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने 11 पौधों का रोपण किया। बड़ी संख्या में स्टेक होल्डर संस्थाओं के कर्मी भी मौजूद रहे।

337 यूनिट रक्तदान कर कीर्तिमान किया स्थापित

मदनगंज- किशनगढ़। माहेश्वरी पंचायत संस्था के तत्वावधान एवं महेश नवमी महोत्सव 2026 के अंतर्गत चल रहे सेवा कार्यों की श्रृंखला में आयोजित शिविर में समाजजनों 337 यूनिट रक्तदान कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। शिविर प्रभारी अमित सोमानी ने बताया कि जेएसबी ग्रुप के सहयोग से आयोजित शिविर में विधायक डॉ. विकास चौधरी अतिथि थे। रक्तदान को मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम बताते हुए अधिकाधिक लोगों से इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। महेश नवमी महोत्सव के संयोजक विजय सारड़ा एवं रामरतन न्याति ने बताया कि शिविर में संजय-इंदु भूतड़ा, दिनेश-नीता विकास-सुनीता चांडक, न्याति, नरेश - मोनिका सारड़ा, तरुण-निशा पोरवाल, लोकेश - रिंकू भांगड़, राजप्रकाश - रेणुका राठी, शुभ- पूजा न्याति, दीपक - राधिका लोया, जितेश - गरिमा मांधना, अभिषेक श्रेया माहेश्वरी, आलोक- शीलम काकाणी एवं विशाल - सलोनी लोगड़ सहित कुल 20 दंपत्तियों ने एक साथ रक्तदान कर समाज के समक्ष प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं प्रथम बार रक्तदान करने वालों में सुरुचि लखोटिया, सौरभ काबरा, आर्यन सोडानी, नमन काबरा, नाजुक काबरा, लक्ष्य न्याति व एंजल तोषनीवाल आदि शामिल रहे। सह-संयोजक भगवान बाहेती ने बताया कि रक्त संग्रहण में राजकीय यज्ञनारायण चिकित्सालय एवं विद्यापति ब्लड बैंक अजमेर की विशेषज्ञ टीम का सहयोग रहा। माहेश्वरी पंचायत संस्था के अध्यक्ष रामनारायण झंवर एवं मंत्री किशन बंग ने कहा कि रक्तदान महादान है तथा एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन प्रदान कर सकती है।

पात्र लाभार्थियों को 1 जुलाई से दो माह का मिलेगा गेहूं

मदनगंज-किशनगढ़। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने खाद्य सुरक्षा योजना के तहत पात्र उपभोक्ताओं को एक साथ तीन माह का गेहूं आवंटन करने के आदेश दिए। राशन डीलर द्वारा अगस्त एवं सितंबर माह का गेहूं वितरित किया जाएगा। हालांकि जून के गेहूं का वितरण किया जा रहा है। अब 1 जुलाई से अगस्त व सितंबर माह के गेहूं का वितरण किया जाएगा। रसद विभाग ने राशन डीलर्स को आवंटित तीन माह के गेहूं का वितरण तत्काल शुरू करने के आदेश दिए। आदेशानुसार सभी डीलर्स को 15 जुलाई 2026 तक शत-प्रतिशत गेहूं का वितरण करना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया है। विभाग अब खाद्यान्न उठाव की अवधि नहीं बढ़ाएगा। इस दौरान डीलर द्वारा लाभार्थियों को गेहूं का कम वितरण करने के कारण लाभार्थियों के गेहूं प्राप्ति से वंचित रहने पर संबंधित अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की नई व्यवस्था से आमजन के लिए राशन कार्ड की प्रक्रिया हुई आसान

शिवकुमार शर्मा

मदनगंज-किशनगढ़। खाद्य व आपूर्ति विभाग की नई व्यवस्था आमजन के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। आमजन को राशन कार्ड बनवाने, नाम जोड़ने व हटाने के लिए अब खाद्य व आपूर्ति विभाग व स्थानीय प्रशासन के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। विभागीय जानकारी के अनुसार डिजिटल इंडिया अभियान के तहत सरकारी सेवाओं को आमजन तक सरल, सुलभ और पारदर्शी तरीके से पहुंचाने की दिशा में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की। विभाग ने राशन कार्ड से जुड़ी विभिन्न सेवाओं को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया। अब राशन कार्ड में नए सदस्य का नाम जोड़ने, किसी सदस्य का नाम हटवाने, परिवार की जानकारी में संशोधन करवाने तथा खाद्य सुरक्षा योजना से संबंधित अन्य कार्यों के लिए लोगों को जिला रसद कार्यालय या ई-मित्र केन्द्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उपभोक्ता अब रसद विभाग की वेबसाइट के माध्यम से अपने एंड्रायड मोबाइल फोन, लैपटॉप अथवा कंप्यूटर से घर बैठे ही राशन कार्ड संबंधी हर प्रकार के कार्य को संपादित कर सकेंगे। जिला रसद अधिकारी नीरज कुमार जैन ने बताया कि उम्मीद है कि ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने के बाद ऐसी शिकायतों में कमी आएगी। डिजिटल रिकॉर्ड होने से प्रत्येक आवेदन का पूरा विवरण सुरक्षित रहेगा, जिससे जवाबदेही बढ़ेगी और आमजन को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी सेवाएं प्राप्त होंगी। ज्ञात रहे कि उपखंड में करीब पांच हजार से अधिक उपभोक्ता राशन कार्ड की प्रक्रिया में लगे हुए है। सरकारी योजनाओं और खाद्य सुरक्षा योजना की पात्रता संबंधी जानकारी विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। आवेदन के समय उपभोक्ता यह जान जाएगा की वे किस श्रेणी में आते हैं, किन योजनाओं का लाभ लेने के पात्र हैं। आवेदन के लिए किन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। इसका सीधा लाभ पात्र व्यक्तियों को आसानी से मिल सकेगा।

डिजिटल इंडिया अभियान से न केवल समय और धन की बचत होगी, बल्कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता भी बनी रहेगी। मालूम हो कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (एनएफएसए) के अंतर्गत बड़ी संख्या में परिवार जुड़े हुए हैं। परिवार में जीवन, परण व मरण तक की प्रक्रिया होती रहती है। सभी कार्य राशन कार्ड के माध्यम से होते है । परिवार की बेटियों का विवाह बाद नाम कट करना, नए जन्म पर नाम जोड़ना, जन्म, विवाह या किसी सदस्य के निधन के बाद राशन कार्ड में नाम जोड़ने अथवा हटाने के लिए लोगों को जिला रसद कार्यालय, उपखंड कार्यालय या ई-मित्र केन्द्रों के कई चक्कर लगाने पड़ते थे। अब इसकी आवश्यकता नहीं होगी । तथा ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदन की प्रक्रिया किस स्तर पर पहुंची की जानकारी भी उपभोक्ता घर बैठे ले सकेगा। आवेदक निर्धारित दस्तावेज अपलोड कर सीधे आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा। इससे दस्तावेजों की फाइल लेकर कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं हरेगी। आवेदन की स्थिति भी होगी ट्रैक होती रहेगी। बिचौलियों की भूमिका कम होगी और आवेदकों को समय पर सही जानकारी मिल सकेगी।

स्वामी व प्रकाशक शिवकुमार शर्मा के लिए मुद्रक गजेन्द्र के. बोहरा द्वारा नितिन प्रिन्टर्स, बंगाली गली, कचहरी रोड, अजमेर (राज.) से मुद्रित एवं कार्यालय नन्द निकुंज, जैन स्थानक गली, शिवाजी नगर, मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) से प्रकाशित। सम्पादक : शिवकुमार शर्मा मो. 9829250181, ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com

कोई भी देश अपनी अच्छाईयों को खो देने पर पतीत होता है।

-गुरू नानक

सम्पादकीय

सोमवार, 22 जून 2026

योग रखे निरोग

दुनिया भर के 170 से भी ज्यादा देश प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाते हैं और योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखे गए प्रस्ताव के जवाब में 11 दिसंबर 2014 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्थापना की थी और वैश्विक स्तर पर पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इस वर्ष पूरी दुनिया ह्यस्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योगह्व थीम के साथ 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का यह विषय जीवन के सभी चरणों में शारीरिक शक्ति, मानसिक

अनुकूलता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में योग की भूमिका का उल्लेख करता है। योग व्यक्तियों को स्वस्थ और अधिक संतुलित जीवन जीने के लिए प्रेरित करता रहता है, साथ ही आंतरिक शक्ति और जागरूकता को भी बढ़ावा देता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय वायुसेना देशभर में योगाभ्यास का आयोजन करेगी, जिसमें उत्तर में लेह के ऊंचे पहाड़ों से लेकर दक्षिण में कार निकोबार के समुद्र तटों तक और पूर्वी सीमांत तवांग से लेकर पश्चिम में पवित्र शहर द्वारका तक के विविध भूभाग शामिल होंगे। प्रतिवर्ष यह दिवस मनाने का उद्देश्य योग को एक ऐसे आंदोलन के रूप में बढ़ावा देना है, जो व्यक्ति की तन्यकता को उन्नत करता है और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के लिए कल्याण को बढ़ावा देता है। वैसे तो योग को विश्व स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत प्रयासों के चलते वर्ष 2015 में अपनाया गया था किंतु भारत में योग का इतिहास सदियों पुराना है। माना जाता रहा है कि पृथ्वी पर सभ्यता की शुरूआत से ही योग किया जा रहा है लेकिन साक्ष्यों की बात करें तो योग करीब पांच हजार वर्ष पुरानी भारतीय परंपरा है। करीब 2700 ईसा पूर्व वैदिक काल में और उसके बाद पतंजलि काल तक योग की मौजूदगी के ऐतिहासिक प्रमाण मिलते हैं। महर्षि पतंजलि ने अभ्यास तथा वैराग्य द्वारा मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करने को ही योग बताया था। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी योग का व्यापक उल्लेख मिलता है। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही अद्वेतानुभूति योग कहलाता है। इसी प्रकार भगवद्गीता बोध में वर्णित है कि दुःख-सुख, पाप-पुण्य, शत्रु-मित्र, शीत-उष्ण आदि द्वंदों से अतीतय मुक्त होकर सर्वत्र समभाव से व्यवहार करना ही योग है। भारत में योग को निरोगी रहने की करीब पांच हजार वर्ष पुरानी मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पद्धति के रूप में मान्यता प्राप्त है, जो भारतीयों की जीवनचर्या का अहम हिस्सा है। सही मायनों में योग भारत के पास प्रकृति प्रदत्त ऐसी अमूल्य धरोहर है, जिसका भारत सदियों से शारीरिक और मानसिक लाभ उठाता रहा है, लेकिन कालांतर में इस दुर्लभ धरोहर की अनदेखी का ही नतीजा है कि लोग तरह-तरह की बीमारियों के मकड़जाल में जकड़ते गए। वैसे तो स्वामी विवेकानंद ने भी अपने शिकागो सम्मेलन के भाषण में सम्पूर्ण विश्व को योग का संदेश दिया था लेकिन कुछ वर्षों पूर्व योग गुरु स्वामी रामदेव द्वारा योग विद्या को घर-घर तक पहुंचाने के बाद ही इसका व्यापक प्रचार-प्रसार संभव हो सका और आमजन योग की ओर आकर्षित होते गए। देखते ही देखते कई देशों में लोगों ने इसे अपनाना शुरू किया। साल 2023 में ही लगभग 190 देशों में योग दिवस के तहत 25 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया था। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग के महत्व को स्वीकारने लगा है। इसलिए स्वस्थ जीवन जीने के लिए जरूरी है कि योग को अपनी दिनचर्या का अटूट हिस्सा बनाया जाए। योग केवल एक व्यायाम नहीं है बल्कि यह शरीर और मन के साथ-साथ स्वयं को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन तरीका है। यह भारत की उस धरोहर का पुनर्जागरण है, जिसे आज पूरा विश्व अपनाकर अपने तन, मन और आत्मा को संतुलन में ला रहा है।

नियमित स्वाध्याय, आत्मचिंतन एवं धर्म आराधना को अपनाने का लिया संकल्प

मदनगंज-किशनगढ़। आरके कम्यूनिटी में अचरज निहाल तत्व प्रभावना ट्रस्ट, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय जिनधर्मी आराधना-प्रभावना शिविर एवं सर्वज्ञ देव-लघु तत्व स्फोट सम्मेद शिखर विधान का रविवार को धार्मिक, आध्यात्मिक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। कार्यक्रम श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ प्राप्त किया तथा नियमित स्वाध्याय, आत्मचिंतन एवं धर्म आराधना को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। शिविर के अंतिम दिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, विधान, स्वाध्याय सत्र एवं प्रवचन कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने उत्साह व श्रद्धा के साथ सहभागिता निभाते हुए जैन दर्शन, तत्वज्ञान एवं आत्मकल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. मनीष शास्त्री (मेरठ)

मुद्रा का जादू विषय पर रोचक एवं प्रेरणादायी प्रवचन देते हुए सभी से प्रतिदिन प्रातः सर्वप्रथम जिनालय जाकर जिनेन्द्र भगवान के दर्शन करने का आह्वान किया। वहीं संजय शास्त्री (जेवर, कोटा) ने समाधिमय जीवन विषय पर प्रभावी विचार व्यक्त किए। जिनेन्द्र शास्त्री (जयपुर) ने जीवन में सुख एवं शांति प्राप्त करने के उपायों पर प्रकाश डाला। विधान सहयोगी रिमांशु शास्त्री एवं समकित शास्त्री (जयपुर) के निर्देशन में समस्त धार्मिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। समापन समारोह में आरके ग्रुप के चेयरमैन अशोक

पाटनी ने भावपूर्ण संबोधन देते हुए कहा कि स्व. निहालचंद का उनके जीवन में योगदान सदैव

अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारिक जीवन में उन्होंने मुझे मार्गदर्शन दिया और धर्म के प्रति भी प्रेरित किया। धर्म विषयक चचाओं के माध्यम से उन्होंने अनेक लोगों को प्रेरित किया। श्वेतांबर समाज में जन्म लेने के बावजूद उनका दिगंबर दर्शन एवं जैन तत्वज्ञान पर अद्भुत अध्ययन और गहरी पकड़ थी जो सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होता है तथा समाज में धर्म, संस्कार और आत्मचिंतन की भावना को बल मिलता है। उन्होंने ट्रस्ट पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजनों के लिए आर. के. कम्यूनिटी सदैव उपलब्ध रहेगा

।समकित जैन शास्त्री ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रात्रि में विजातीय विवाह नहीं विषय पर प्रस्तुत प्रभावशाली एवं संदेशप्रद नाटिका रही। जिसमें कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से धार्मिक मयादाओं, सामाजिक मूल्यों एवं पारिवारिक संस्कारों का सुंदर चित्रण किया ।नाटिका ने उपस्थित श्रद्धालुओं को गहराई से प्रभावित किया तथा संस्कार संरक्षण एवं धर्मसम्मत जीवनशैली अपनाने का प्रेरक संदेश दिया। कार्यक्रम में आरके ग्रुप के चेयरमैन अशोक पाटनी, आदिनाथ दिगम्बर जैन पंचायत अध्यक्ष प्रकाशचंद गंगवाल, मंत्री प्राणेश बज, इंदरचंद पाटनी, प्रदीप चौधरी, राजेन्द्र चौधरी, सुशील पहाड़िया, रतन तातेड़ सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। समापन पर आयोजकों ने आभार व्यक्त किया ।

शहरी सेवा शिविर में विभिन्न प्रमाण पत्र जारी

मदनगंज-किशनगढ़। नगर परिषद की ओर से शहरी सेवा शिविर अभियान 2026 के अन्तर्गत वार्ड 11 से 13 तक के लिए शिविर आयोजित हुआ। आयुक्त जर्नादन शर्मा ने बताया कि मुख्य कार्यालय में आयोजित शिविर में कृषि भूमि, स्वयं की योजना, अपंजीकृत पट्टा नवीनीकरण, भवन निर्माण स्वीकृति, नाम हस्तान्तरण व विखण्डन के साथ ही यूडी टेक्स प्रकरण, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसके अलावा शिविर में प्राप्त प्रकरणों के अनुसार रोड लाईटों की मरम्मत अथवा नई लगाने की कार्यवाही की गई। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने अभिभावकों को पालनाहार व छात्रवृति के बारे में जानकारी दी। इस दौरान आयुक्त जनार्दन शर्मा, सहायक अभियन्ता व कैम्प प्रभारी त्रिलोचन कुमावत, सहायक अभियन्ता विष्णु अडानिया, नवीन खत्री, कनिष्ठ अभियन्ता जितेन्द्र मीणा, गिरदावर ओमप्रकाश जैन, पटवारी अजय गुर्जर आदि मौजूद थे।

महेश नवमी पर हुए शिविर में 75 मरीजों ने उठाया लाभ

मदनगंज-किशनगढ़। महेश नवमी महोत्सव 2026 के अंतर्गत माहेश्वरी पंचायत संस्था एवं किशनगढ़ क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को निःशुल्क हृदय रोग जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। दुगार्देवी राठी, चांद रतन राठी, प्रकाश राठी, दिनेश राठी, सागर राठी, राघव राठी एवं राठी परिवार के सौजन्य से तेली मोहल्ला स्थित माहेश्वरी पंचायत भवन में आयोजित शिविर में 75 मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर प्रभारी अनिल बियानी ने बताया कि शिविर में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीपी (रक्तचाप), शुगर (मधुमेह) एवं सीजी जांचें भी निःशुल्क की गई। संयुक्त शिविर प्रभारी राधामोहन सारड़ा एवं जगदीश लोया ने बताया कि शिविर में मार्बल सिटी हॉस्पिटल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज सोमानी (डीएम कार्डियोलॉजी) एवं डॉ. विकास ने सेवाएं दी। चिकित्सकों ने मरीजों को हृदय रोगों से बचाव, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में उपयोगी सुझाव दिए। शिविर में सुदीप खोखर, योगेश जैथलिया, प्रसन्न माथुर, रघुराजसिंह शेखावत, मोहम्मद कैफ व रेणुका शर्मा का सहयोग रहा। आयोजक परिवार की ओर से प्रकाश राठी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सुरेश शारदा व विपिन काबरा ने किया ।

गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर कार्यक्रम में सीयूराज के छात्र विनीत का चयन

मदनगंज किशनगढ़। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के छात्र का चयन गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर कार्यक्रम में हुआ।

इससे सीयूआर में खुशी का चयन हुआ। स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग अंतर्गत संचालित डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स विभाग के एम.एससी. कंप्यूटर साइंस (बिग डेटा एनालिटिक्स) सत्र 2025-27 के छात्र विनीत यादव का चयन प्रतिष्ठित गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर प्रोग्राम के लिए हुआ है। सीयूआर की पीआरओ अनुराधा मित्तल ने बताया कि चयन के उपरांत विनीत यादव को इस प्रोग्राम के लिए आधिकारिक ऑनबोर्डिंग अनुबंध एवं एम्बेसडर आईडी (जीआईडी - 6834) प्राप्त हुई है। दायित्व के अंतर्गत वे विश्वविद्यालय परिसर में गूगल जेमीनी एआई सहित नवीनतम तकनीकों छात्र-नेतृत्व वाली एआई समुदायों के निर्माण तथा तकनीकी नवाचार एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेंगे। गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर कार्यक्रम के चयन की प्रक्रिया में नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल, नवाचार एवं व्यावहारिक क्रियान्वयन को प्रमुखता दी गई। प्रथम चरण में आयोजित ऑनलाइन परीक्षण में परिस्थितिजन्य प्रचार-प्रसार, प्रतिभागियों की रणनीतिक सोच और संचार कौशल का मूल्यांकन किया गया। वहीं द्वितीय चरण में वीडियो साक्षात्कार के माध्यम से उम्मीदवारों की प्रस्तुति क्षमता, रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान कौशल तथा तकनीकी जागरूकता तथा परिसर संबंधी अनुभव साझा किए गए। इसमें मात्र सात दिनों में बिना किसी बजट के जैमिनी एआई के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु रचनात्मक अभियान की रूपरेखा तैयार करना शामिल था। यादव के चयन पर सीयूआर के कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने कहा कि यादव का चयन विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता और विद्यार्थियों की प्रतिभा का सशक्त प्रमाण है।

मौखम विलास पुलिया का काम फिर बंद, लोग परेशान, प्रशासन मौन

शिवकुमार शर्मा

मदनगंज किशनगढ़। गुंदोलाव झील के बीच ऐतिहासिक मौखम विलास स्थित संत नागरीदास पैनोरमा में सुगम आवागमन इस साल भी असंभव ही है। पैनोरमा में के लिए निमार्णाधीन पुलिया का काम एक माह से बंद पड़ा है। मुख्य वजह यहां काम कर रहे श्रमिकों को मिलने वाला भुगतान बताया जा रहा है। श्रमिकों का कहना है कि उन्हें समय पर मजदूरी नहीं मिलने से उनके परिवार के सामने आर्थिक संकट आ गया। वहीं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता रवि बंसल से एपीओ होने के एक दिन पूर्व बातचीत में उन्होंने पुलिया का काम बंद नहीं होने और श्रमिकों की कमी के कारण धीमा जरूर चलने की बात स्वीकारी। लेकिन तय समय सीमा के अनुसार पुलिया निर्माण इसी वर्ष अक्टूबर के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। उधर स्थानीय लोगों का मानना है कि पुलिया का काम शुरू हुए डेढ साल से अधिक का समय हो गया। परंतु जिस तरीके से निर्माण का काम चल रहा है इससे लग रहा है कि इस साल पुलिया बन पाना संभव नहीं है। भाजपा सरकार के राजस्थान धरोहर एवं प्रोन्नति प्राधिकरण द्वारा संत नागरीदास पैनोरमा में जाने वाली खुर्द बुर्द पुलिया के पुनर्निर्माण के लिए 2018 में बजट स्वीकृत कर निविदा जारी की गई थी। लेकिन सरकार बदलते ही इसकी प्रक्रिया ठंडे बस्ते में चली गई। बाद में भजनलाल सरकार आते ही उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री दिया कुमारी द्वारा नवीन अनुमानित लागत के आधार पर झील में पुलिया निर्माण के लिए पर्याप्त राशि स्वीकृत किए जाने के बाद पुलिया का निर्माण कार्य शुरू हुआ। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 314 मीटर लंबे और 6 करोड़ रुपए की लागत से मौखम विलास पैनोरमा में जाने के लिए सितंबर 2024 में निर्माण कार्य शुरू हुआ था। लेकिन मार्च 2025 में किन्हीं कारणों से इस पुलिया का काम बंद हो गया। जबकि जून 2025 तक इसका निर्माण पूरा किया जाना था ।जिसका एक साल होने के बाद भी काम पूरा नहीं हो पाया।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास

प्राची शर्मा

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं रहते, वे एक युग का निर्माण करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व ऐसा ही एक युगबोध बनकर उभरा है। जून 2026 में उन्होंने स्वतंत्र भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह उपलब्धि केवल दिनों की संख्या का रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि उस विश्वास, जनसमर्थन और विकास-यात्रा का प्रतीक है, जिसने भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था, शासन-प्रणाली और वैश्विक छवि को नई दिशा दी है। लोकतंत्र में किसी नेता की वास्तविक सफलता उसके पद की अवधि से नहीं, बल्कि उसके कार्यों के प्रभाव से मापी जाती है। यदि शासन की कसौटी अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है, तो मोदी युग का सबसे बड़ा योगदान यही है कि उसने विकास को सरकारी फाइलों और घोषणाओं से निकालकर सामान्य नागरिक के जीवन तक पहुंचाया है। यह वही अवधारणा है जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने ह्यअंत्योदयह्न कहा था-समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने लंबी विकास यात्रा तय की है। जवाहरलाल नेहरू ने नवस्वतंत्र भारत की संस्थागत नींव रखी। लोकतंत्र, वैज्ञानिक चिंतन, सार्वजनिक संस्थानों, शिक्षा, अनुसंधान तथा औद्योगिक विकास की आधारशिला उन्हीं के समय में रखी गई। किंतु समय के साथ यह भी स्पष्ट हुआ कि योजनाएं बनाना और उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना दो अलग-अलग चुनौतियां हैं। दशकों तक सरकारी योजनाओं और लाभार्थियों के बीच बिचौलियों की एक लंबी श्रृंखला खड़ी रही, जिसके कारण विकास का बड़ा हिस्सा रास्ते में ही समाप्त हो जाता था। वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब भारत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। आर्थिक सुस्ती, भ्रष्टाचार के आरोप, अधूरी परियोजनाएं, प्रशासनिक जड़ता और जनता में घटता विश्वास प्रमुख चिंताएं थीं। ऐसे समय में उन्होंने शासन की परंपरागत शैली को बदलते हुए तकनीक, पारदर्शिता और जवाबदेही को केंद्र में रखा। यह परिवर्तन केवल नीतियों का नहीं, बल्कि शासन के दर्शन का परिवर्तन था।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली का विस्तार है। जनधन खाते, आधार और मोबाइल तकनीक को जोड़कर एक ऐसी व्यवस्था विकसित की गई, जिसने सरकारी सहायता को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना संभव बनाया। इससे न केवल भ्रष्टाचार और रिसाव में कमी आई, बल्कि करोड़ों लोगों को पहली बार यह अनुभव हुआ कि सरकार वास्तव में उनके द्वार तक पहुंच सकती है। गरीब, किसान, महिला, छात्र, वृद्ध और श्रमिक-सभी वर्गों को इसका लाभ मिला। वित्तीय समावेशन की दिशा में जनधन योजना ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई। जिन परिवारों के पास कभी बैंक खाता नहीं था, वे औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा बने। यह केवल बैंक खाते खोलने की योजना नहीं थी, बल्कि आर्थिक सशक्तीकरण का एक नया अध्याय था। इसी प्रकार उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धुएं से भरे रसोईघरों से मुक्ति दिलाई। स्वच्छ ईंधन ने उनके स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन किया।

मोदी युग की एक बड़ी पहचान आधारभूत संरचना का अभूतपूर्व विस्तार भी है। सड़कों, एक्सप्रेस-वे, रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल नेटवर्क के क्षेत्र में जिस गति से कार्य हुआ, उसने विकास को नए पंख दिए। आज छोटे शहर भी हवाई संपर्क से जुड़ रहे हैं। गांवों तक सड़कें पहुंच रही हैं। रेलवे का तीव्र आधुनिकीकरण हो रहा है। वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें भारत की तकनीकी क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक बन गई हैं। आवास योजना के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए। जिन लोगों ने वर्षों तक कच्ची झोपड़ियों में जीवन बिताया, उनके लिए अपना घर केवल एक भवन नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है। इसी प्रकार जल जीवन मिशन ने करोड़ों घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य किया। शौचालय निर्माण अभियान ने स्वच्छता को जनांदोलन का रूप दिया। ये परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन स्तर में दिखाई देते हैं।

कृषि क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं। इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने किसानों के लिए आय के नए अवसर खोले हैं। किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊजार्दाता के रूप में भी उभर रहे हैं। जैव ईंधन, प्राकृतिक खेती, कृषि अवसंरचना और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के प्रयास किए गए हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है। डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है।

प्रताप की राष्ट्रभक्ति व स्वाभिमान के आदर्शों का स्मरण

मदनगंज-किशनगढ़। बांदरसिंदरी स्थित सीयूआर परिसर में भारतीय शिक्षण मंडल इकाई की युवा गतिविधि द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति एवं भारतीय शिक्षण मंडल चित्तौड़ प्रांत के अध्यक्ष प्रो. आनंद भालेराव के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का शुभारंभ महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया । प्रस्तावना युवा गतिविधि के सह प्रमुख रुसम दास ने प्रस्तुत की तथा अतिथि परिचय अनुसंधान गतिविधि के सह प्रमुख त्र्यंबक बसाक ने कराया। इस दौरान भारतीय शिक्षण मंडल इकाई के उपाध्यक्ष डॉ. शैलेश पाटीदार, संयुक्त सचिव डॉ. प्रमोद कांबले, शिक्षा एवं तंत्रज्ञान गतिविधि प्रमुख डॉ. भावेश परमार, विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी प्रदीप अग्रवाल, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. डी.सी. शर्मा तथा इकाई अध्यक्ष डॉ. ज्ञान रंजन पांडा ने महाराणा प्रताप के जीवन, राष्ट्र निष्ठा, स्वाभिमान एवं संघर्षशीलता पर विचार व्यक्त किए। शोधार्थी लोकेश खटाना द्वारा प्रस्तुत ओजस्वी कविता ने राष्ट्रगौरव का वातावरण निर्मित किया। संचालन पंकज प्रताप सिंह ने किया। ध्येय वाक्य अजय चौधरी एवं कल्याण मंत्र दर्शना हजारिका द्वारा प्रस्तुत किया गया। आभार ज्ञापन डॉ. गजानन ने किया। इस अवसर पर डॉ. विश्वनाथ तिवारी, डॉ. धनंजय तिवारी, डॉ. सोमनाथ, डॉ. एस. मुरलीमोहन सहित अनेक आचार्य, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

शिक्षक समुदाय ने किया विरोध प्रदर्शन

मदनगंज-किशनगढ़। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के प्रतिनिधि मण्डल ने मंगलवार को उपखण्ड अधिकारी के समक्ष शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर विरोध दर्ज कराते हुए मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा। उप शाखाध्यक्ष मनोज दाधीच के नेतृत्व में ज्ञापन के माध्यम से सरकार को अवगत कराया गया कि नवीन शैक्षिक सत्र 1 जुलाई से प्रारंभ हो, वर्ष 2010 से पहले विभाग में नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त करें, विद्यालयों में खाली पड़े शिक्षकों के पदों को शीघ्र भरें जावें, तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शीघ्र हो, 2022 2023 में नियुक्त तृतीय श्रेणी शारीरिक शिक्षकों के शीघ्र स्थाईकरण किए जाएं, विभाग में कई वर्षों से लंबित तृतीय श्रेणी अध्यापकों की पदोन्नति शीघ्र करें, आरजीएचएस योजना को सुचारू रूप से क्रियान्वित किया जाए, लंबित एरियर व समर्पित अवकाश के बिलों का भुगतान शीघ्र किया जाए और शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त किया जाए। संरक्षक चन्द्रशेखर शर्मा ने बताया कि विभिन्न मांगों को लेकर संगठन में भारी आक्रोश है।

फीस कम - कोर्स ज्यादा, बेहतर नौकरी का वादा

आप कम्प्यूटर के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं.... तो फिर इंतजार किस बात का?

आज ही ज्वाइन करें COMBO COURSE

कोर्स करने के बाद आप बन सकते हैं

COMPUTER OPERATOR
GST ACCOUNTANT
GRAPHIC DESIGNER
E MITRA OPERATOR
START OWN BUSINESS

RS-CIT
GST TALLY
GRAPHICS
S.M.M
WORDPRESS
E-MITRA
TYPING

A WAY OF SUCCESS MCTC

मल्टी कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेन्टर

राजस्थान सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

शार्दूल स्कूल के पास वाली गली, गोपाल कलेक्शन के ऊपर, ओसवाली मौहल्ला, मदनगंज-किशनगढ़

सम्पर्क करें - 9024480878, 8078652383

REFURBISHED LAPTOPS

मात्र 9999 रु.*

USED DESKTOP

मात्र 7999 रु.*

SHIV KUMAR SHARMA 9829250181

DNA-293050